SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, the understanding was that we would continue and complete the discussion on Working of the Ministry of Home Affairs, and we would take up the Banking Laws (Amendment) Bill on Monday. Let us please stick to this schedule.

MR. CHAIRMAN: Mr. Jairam, your point is well taken. ...(*Interruptions*)... No, no. Nothing is going on record, Digvijaya Singh ji. ...(*Interruptions*)... Hon. Members, the Special Mentions of Members who are present are taken on record.

€SPECIAL MENTIONS

Request for starting specialized courses in Lucknow Campus of Rashtriya Raksha University

श्री तेजवीर सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) राष्ट्रीय सुरक्षा, पुलिसिंग और रक्षा अध्ययन के क्षेत्र में विशेषीकृत शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करके भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप, साल 2022 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) का एक परिसर स्थापित किया गया।

RRU के मुख्य परिसर (गुजरात) में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, पुलिसिंग, व्यवहारिक विज्ञान, फोरेंसिक जांच आदि में 41 शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। लखनऊ परिसर में वर्तमान में केवल 10 पाठ्यक्रम ही उपलब्ध हैं। यहाँ अब भी अंतर्राष्ट्रीय संबंध और रणनीतिक भाषाएँ, आंतरिक सुरक्षा और उग्रवाद-रोधी अध्ययन, रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों की शुरुआत नहीं हुई है। यदि लखनऊ परिसर में इन पाठ्यक्रमों को शीघ्र शुरू किया जाए, तो राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में योगदान देने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों और पेशेवरों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। लखनऊ स्थित RRU में शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार करने से युवाओं और पेशेवरों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

इसलिए, मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि वह उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय परिसर को उन्नत करने हेतु आवश्यक कदम उठाए और वहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अतिरिक्त पाठ्यक्रमों की शुरुआत करे।

Demand for revival of pilgrimage sites related to Lord Shri Ram in Punjab

श्री सतनाम सिंह संधू (नामनिर्देशित): महोदय, भगवान श्रीराम का जीवन केवल अयोध्या तक सीमित नहीं था; बल्कि उनका दिव्य स्पर्श पूरे भारतवर्ष और पूरी दुनिया में पसरा हुआ है। पंजाब की पावन भूमि भी श्रीराम और उनके परिवार की स्मृतियों को संजोए हुए है।

€ *Laid on the Table.*

अमृतसर का रामतीर्थ मंदिर, पटियाला का घड़ाम और खरड़ का ऐतिहासिक अज्ज सरोवर – ये सभी पंजाब में प्रभु श्रीराम और उनके वंश की गौरवशाली गाथा के साक्षी हैं। देश भर में श्रीराम के दादा, राजा अज्ज का एकमात्र मंदिर खरड़ में स्थित है। वहां उनके नाम पर एक सरोवर भी है, लेकिन उसकी वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है। यहाँ railway connectivity की भी एक बड़ी समस्या है। मेरी मांग है कि दिल्ली-चंडीगढ़-अमृतसर मार्ग पर चलने वाली ट्रेनों को खरड़ स्टेशन पर रुकने की व्यवस्था की जाए। श्रीराम से जुड़ी एक विरासत घड़ाम, पटियाला में भी है। माना जाता है कि घड़ाम में माता कौशल्या की बारात की सुविधा के लिए उनके पिताजी द्वारा बनवायी गई चार बावलियाँ आज भी मौजूद हैं। वहाँ एक मंदिर और गुरु गोबिन्द सिंह जी की यात्रा से जुड़ा गुरुद्वारा मिलाप साहिब भी स्थित है।

महोदय, यदि उनकी ननिहाल यहाँ है, तो श्रीराम के चरण यहां जरूर पड़े होंगे। अज्ज सरोवर (जिसकी जमीन भारत सरकार के अधीन है) और घड़ाम, दोनों में श्रद्धालुओं द्वारा सेवा तो की जा रही है, लेकिन इनके महत्व को देखते हुए भव्य निर्माण कार्य की तत्काल आवश्यकता है। मैं मांग करता हूँ कि इन स्थलों का कायाकल्प flagship PRASAD scheme के तहत किया जाए, जिससे हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई ऊँचाई प्राप्त हो और पंजाब में टूरिज्म बढ़े।

Need for providing treatment to all persons diagnosed with hepatitis in the country

SHRI A.D. SINGH (Bihar): Sir, as per the Global Hepatitis Report 2024 released by the WHO, India has the second highest prevalence of viral Hepatitis cases, accounting for 11 per cent of the global burden in 2022. As per the report, India accounted for 2.9 crore Hepatitis-B cases and 55 lakh Hepatitis-C cases. An estimated 1.2 lakh people died due to Hepatitis in the country. The cause of concern is that Hepatitis diagnosis and treatment remains very low in the country. In 2022, only 2.4 per cent of Hepatitis-B cases were diagnosed, while none received treatment in 2022. On the other hand, 28 per cent of Hepatitis-C cases were diagnosed and only 21 per cent received treatment.

Viral Hepatitis is an infection that causes liver inflammation and may lead to liver cirrhosis or liver cancer. Both Hepatitis-B and Hepatitis-C can be transmitted through blood transfusion, infected needles, and contact with infected blood or from mother to child during delivery. Hepatitis-B can be prevented through vaccine. Otherwise, one has to take medicine throughout one's life. Hepatitis-C can be cured through medication. Although, there is a National Viral Hepatitis Control Programme, but the reach of the programme is limited. Not all are receiving treatment under this programme. The Government's Viral Hepatitis Control Programme also offers the vaccine to high risk adults only. However, the condition is such that eight out of ten people who have been diagnosed with Hepatitis remain ineligible to receive the treatment. The Government should ensure treatment to all those who have been diagnosed with hepatitis.